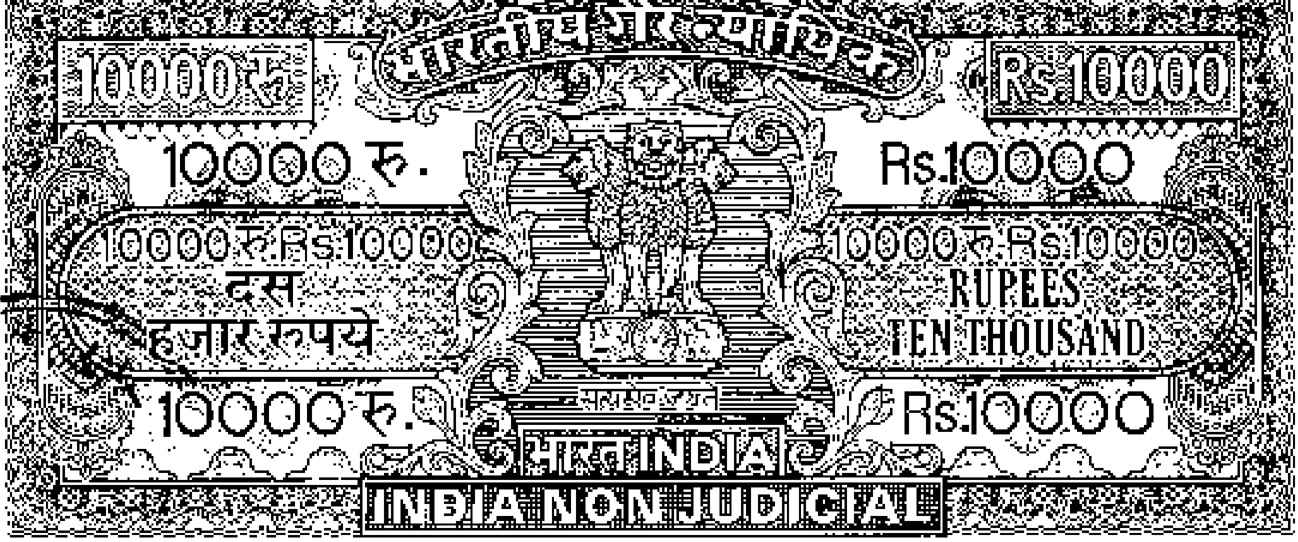

01AA 477788

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 4,20,810/ रूपये
स्टाम्प पेपर अंकन : 42,100 रूपये

मैं कि जगन्नाथ पुत्र स्व0 श्री ढक्कन निवासी ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (फरीक अव्वल, विक्रेता)

मैसर्स एसएजीई प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33 कम्यूनिटी सैंटर, एन. एफ. सी नई दिल्ली द्वारा श्री रोहित शर्मा पुत्र स्व0 श्री जे0 आर0 शर्मा, 6ए, शिप्रा सनसिटी, गाजियाबाद अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष (फरीक दोयम क्रेता)

Sage Promoters ... Authorised Signatory

Advocate

Sage P... Authorised Signatory

SAGE Promoters & Developers
P. Ltd. N. Delhi
thru Rohit Sharma

420810/= 5000/=

फीस रजि०

नकल 20/= जोड़ 5020/= लगभग 600

श्री जगन्नाथ

पुत्र श्री स्व० टकमन पेशा खेती

निवासी दुरयाई प०त० दादरी

ने कार्यालय उप रजिस्ट्रार दादरी जिला

गौतमबुद्धनगर में आज दिनांक 26/5/06

समय 4 व 5 बजे प्रस्तुत किया।

26/5/06

लेखपत्र का सम्पादन एवं इसमें लिखे

जरेबदल मु० 420810/= रुपया उल्लेखानुसार

~~मिलने से~~

~~नकद मेरे समक्ष~~ पाकर उक्त श्री जगन्नाथ मुकिर उक्त ने व

तकमील से श्री मैसर्स एस ई जी ई प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स

प्रा० लि० द्वारा श्री रोहित शर्मा S/o स्व० जे॰ आर॰ शर्मा R/o 6A

शिप्रा सन सिटी गा०-बाद ने स्वीकार किया।

10000 रु. Rs. 10000

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

0JAA 477789

(2)

<u>विक्रीत भूमि का विवरण</u>

(1) स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर (उ0प्र0), कृषि भूमि खाता नं0 50 के खसरा नं0 111क रकबई 0.102 हैक्टेयर व खसरा नं0 265 रकबई 0.405 हैक्टेयर कुल दो किता रकबई 0.5070 हैक्टेयर का 1/5 भाग अर्थात 0.1014 हैक्टेयर खतौनी 1411 ता 1416 फसली जिसका फरीक अव्वल (विक्रेता) पूर्णतया स्वामी व विक्रयअधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर दर्ज मालकागजात है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया गया । विक्रीत भूमि मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की पैतृक भूमि है जिसके मुझ फरीक अव्वल से पहले मेरे पिता स्व0 श्री हक्कन पुत्र स्व0 श्री भरता मालिक थे ।

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नही है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है जिसका सरकारी सर्किल रेट 7,41,000/– रूपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र मे सर्किल रेट के दोगुने से अधिक रू0 41,50,000/रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 4,20,810/– रूपये (चार लाख बीस हजार आठ सौ दस रू0 मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है।

Sage Promoters & Developers Pvt. Ltd.

Authorised Signatory

निशानी पहचान श्री सहीपाल
पुत्र श्री दीपचन्द खेती
निवासी कचैड़ा बारस्याबाद तह. दादरी
व श्री शिव दत्त शर्मा
पुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा खेती
निवासी दुरयाई तह. दादरी

26/5/06

सहीपाल

सत्यमेव जयते

26/5/06

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

10000 रु. Rs.10000 दस हजार रुपये

10000 रु. Rs.10000 RUPEES TEN THOUSAND

10000 रु. Rs.10000

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

0JAA 477790

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रेता ने श्रीमान् तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से नहीं है।

(4) विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नही है और न ही निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है इस सन्दर्भ मे विक्रेता ने संबन्धित श्री मान् तहसीलदार महोदय से प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है। तथा विक्रीत भूमि किसी भी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतु अधिग्रहण के लिये अधिसूचित नहीं की गयी है।

(5) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(I) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

(6) यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि का पूर्व मे मौखिक इकरारनामा भी दोनो पक्षों के बीच हुआ था तथा विक्रय पत्र लिखे जाने की मौखिक सहमति हुयी थी जिसके अनुपालन में वर्तमान विक्रय पत्र का निष्पादन किया जा रहा है। तत्समय विक्रेता (फरीक अव्वल) ने बजरिये सिंडीकेट बैंक, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, का चैक नम्बर 224574 दिनांकित 07.11.2005 अंकन 50,400/-रुपये (पचास हजार चार सौ रू0 मात्र) दिनाक 07.11.2005 को अग्रिम में प्राप्त कर लिये थे।

Sage Promo... Pvt. Ltd.

Authorised Signatory

[illegible]

सत्यमेव जयते

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

01AA 477791

(4)

(7) विक्रीत भूमि खाता नं0 50 के खसरा नं0 111क व 265 रकबई 0.5070 हैक्टेयर का 1/5 भाग अर्थात 0.1014 हैक्टेयर, स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर को आज इस विक्रय पत्र के द्वारा विक्रय किया जा रहा है । अब विक्रित भूमि उक्त में विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण व वारिसान का कोई भाग व कुर्रा शेष नही रहा है ।

(8) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, व नक्शा व अपना जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र व विक्रीत भूमि से संबधित बारह साला प्रमाण पत्र भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है ।

(9) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबे, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नही है।

(10) विक्रीत भूमि उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का ड्यूज भी नही है। इस विक्रय भूमि से संबधित किसी भी प्रकार का विवाद–ग्रस्त मामला किसी भी मान्य न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन लम्बित है।

Sage P...

Authorised Signatory

25 [illegible] 2013
स्टाम्प सं. 82 / 10 [illegible]
स्टाम्प सं. [illegible]
रजिस्टर सं० 75 में शामिल किया गया
[illegible]

सत्यमेव जयते

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

051956

(5)

(11) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोश व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संबंध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध—पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निश्पादित किया है और न ही कराया है तथा न ही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संबध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होगे ।

(12) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता नं0 50 खसरा नं0 111क, 265 स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर के अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एंव अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिल—खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 4,20,810 रुपये (चार लाख बीस हजार आठ सौ दस रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन 2,10,405/— (दो लाख दस हजार चार सौ पांच रु0 मात्र) रुपये होते है के एवज में हाथ फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैसर्स एसएजीई प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स

Sage Promo... ...lopers Pvt. Ltd.

Authorised Signatory

दावरी

25 ... 2009

... नं0 03 ... में शामिल किया गया

... नं0 ...

उप. ...

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.   Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

051957

(6)

प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33 कम्यूनिटी सैंटर, एन. एफ. सी नई दिल्ली ,द्वारा श्री रोहित शर्मा पुत्र स्व0 श्री जे0 आर0 शर्मा, 6ए, शिप्रा सनसिटी, गाजियाबाद अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बैय कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नही रही है।

(13) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतःमालिक काबिज दखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लावें।

(14) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात मे बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते है तथा आव यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोइ एतराज नहीं होगा।

(15) अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबंध बाकी नही रहा और न कभी रहेगा।

Sage Prom... ...Pvt. Ltd

Authorised Signatory

डायरी

आगम सं० 84 दि० ...

स्टाम्प सं० 94 में शामिल किया गया

उप. रजिस्ट्रार

सत्यमेव जयते

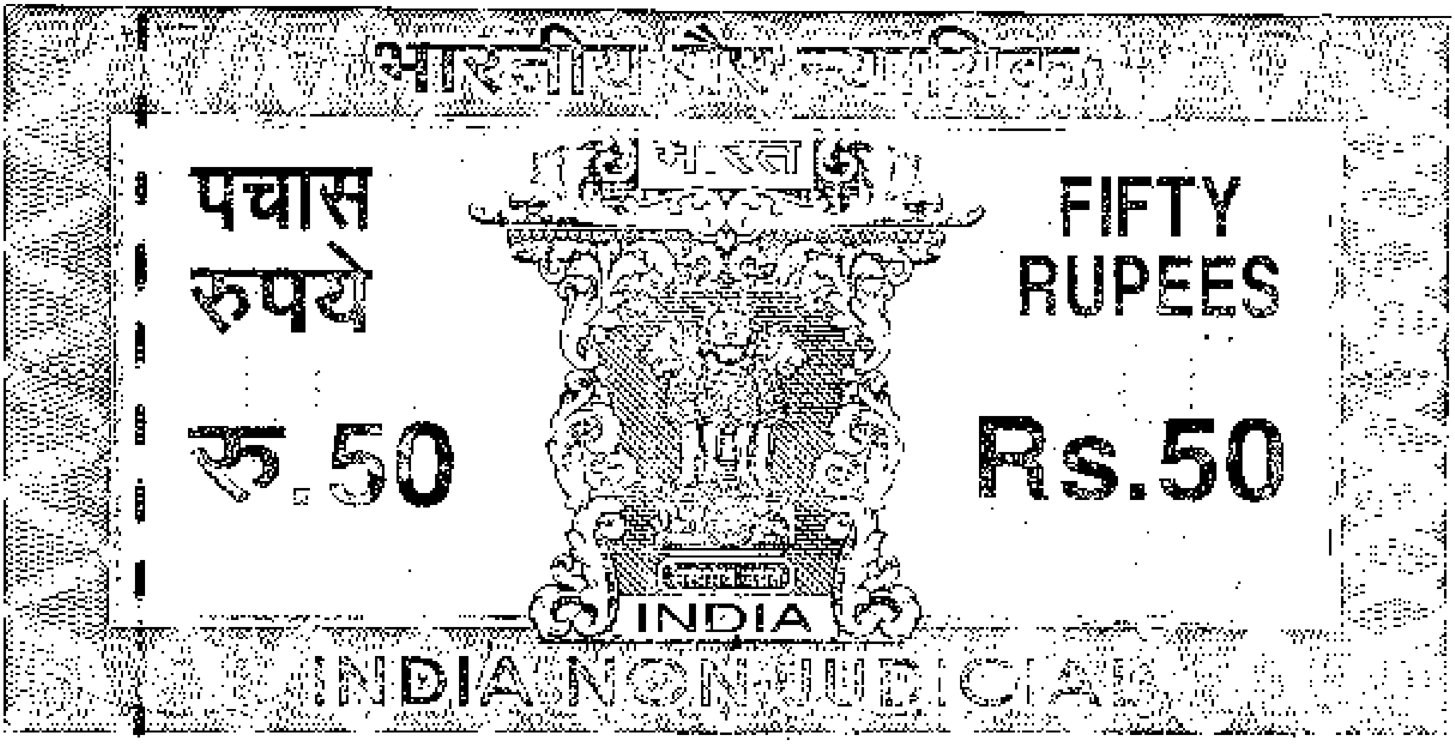

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH C 360773

(7)

(16) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पडा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोइ अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कब्जे मालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी :

(17) यह कि फरीक अव्वल ने विक्रीत भूमि के स्वामित्व से संबधित सभी मूल दस्तावेज(मूल बैनामा पूर्ण श्रखंला ,दान पत्र, वसीयत, मूल पटटा, व न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति आदि) जो विक्रेता के पास उपलब्ध है, उन्हे क्रेता को सौंप दिया हैं ।

(18) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

(19) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ कर गवाहें की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

Sage ...

Authorised ...

कार्यालय उप कोषागार
दादरी

25

नं०

स्टाम्प नं० 79 में शामिल

भारतीय गैर न्यायिक

पचास रुपये

रू. 50

FIFTY RUPEES

Rs.50

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 360774

(20) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबई 0.1014 हैक्टेयर, खाता नं0 50 खसरा नं0 111क व 265 स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:--

(अ) बैंक सिंडीकेट बैंक शाखा नेहरू प्लेस नई दिल्ली चैक नं0 224574 दिनांक 07.11.2005 की राशि रू0 50,400/-- (पचास हजार चार सौ रू0 मात्र) फरीक अव्वल द्वार अग्रिम रुप से प्राप्त कर ली गयी है।

(ब) बैंक सिंडीकेट बैंक शाखा नेहरू प्लेस नई दिल्ली चैक नं0 070058 दिनांक 21.02.2006 की राशि रू0 54,600/-- (चौवन हजार छः सौ रू0 मात्र) फरीक अव्वल द्वारा आंशिक रूप से प्राप्त कर ली गयी है।

Saga ... Pvt. Ltd.

कार्यालय उप कोषागार
दादरी

25

स्टाम्प नं0 ... क्र0 ...
स्टाम्प नं0 ... में शामिल किया गया
इन. रोकड़िया

(स) बैंक कोटक महिंद्रा बैंक लि0 शाखा न्यू फैन्डस कालोनी, नई दिल्ली चैक नं0 000025 दिनांक 23.5.2006 की राशि रू0 3,15,810/– (तीन लाख पन्द्रह हजार आठ सौ दस रूपए मात्र) द्वारा फरीक अव्वल ने अब अंतिम एवं सम्पूर्ण धनराशि प्राप्त कर ली गयी हैं ।

[illegible]

(हस्ताक्षर / [redacted])
फरीक [redacted])

Sag.

(हस्ताक्षर / निशानी अंगूठा)
फरीक दोयम (क्रेता)

गवाह नं0 1

श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible]
निवासी ग्राम [illegible] परगना [illegible]
तहसील [illegible]
जिला [illegible]

गवाह नं0 2

श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible]
निवासी ग्राम [illegible] परगना [illegible]
तहसील [illegible]
जिला [illegible]

तहरीर दिनांक : 26/5/06
मसौदाकर्ता

बही नम्बर-1 एडीशनल जिल्द सं. 1704 के पृष्ठ 312 से 324 पर संख्या 6715

पर आज दिनांक 26/5/06 को रजिस्ट्री की गयी।

सब रजिस्ट्रार

दादरी

सम्मुख,

श्रीमान्
दादरी :

मैं .... पुत्र/पुत्री श्री ....

निवासी ग्राम .... दुरियाई .... परगना ....

तहसील .... दादरी .... जिला .... गौतम बुद्ध नगर ....

शपथ पूर्वक निम्न बयान करता/करती हूँ:-

1. यह कि मेरा उपरोक्त नाम व पता सही है।

2. यह कि मेरी जाति .... ब्राह्मण .... है जोकि सामान्य जाति के अन्तर्गत आती है।

3. यह कि मुझे जाति प्रमाण-पत्र की अति आवश्यकता है।

मैं शपथ पूर्वक बयान करता/करती हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की धारा 1 से 3 तक मेरे निजी ज्ञान में पूर्ण सत्य एवं सही है, कहीं कोई बात छिपाई नहीं गई है। ईश्वर मेरी मदद करें।

दिनाँक: ....

शपथकर्ता

श्री ....
पुत्र/पुत्री/पत्नि श्री ....
निवासी .... दुरियाई ....
जिनकी पहचान ....
की है, के हस्ताक्षर मेरे सामने किए।

एस० के० शर्मा, नोटरी
(गौतम बुद्ध नगर)

श्रीराम फोटो स्टेट & PCO सैन्टर

सेवा में,

श्रीमान तहसीलदार महोदय
दादरी।

विषय: सामान्य जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के सम्बन्ध में।

महोदय जी,

18/... 22/3/06

निवेदन यह है कि मैं ......जगन्नाथ शर्मा......

पुत्र/पुत्री श्री ......छज्जन लाल शर्मा...... निवासी ......दुरियाई......

परगना ......दा...... तहसील ......दादरी......

जिला ......गौतमबुद्ध नगर...... का रहने वाला/रहने वाली हूँ। मेरी

जाति ......ब्राह्मण...... है जो सामान्य जाति के अन्तर्गत आती है। मुझे जाति प्रमाण पत्र की अति आवश्यकता है। कृपया मुझे सामान्य जाति ......ब्राह्मण...... का प्रमाण-पत्र देने का कष्ट करें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

आख्या हेतु

दिनांक ....

तहसीलदार दादरी
गौतमबुद्ध नगर
22/3/06

प्रार्थी/प्रार्थिनी
जगन्नाथ शर्मा

नाम ......जगन्नाथ शर्मा......

पिता का नाम ......छज्जन लाल शर्मा......

श्रीराम फोटो स्टेट & PCO सैन्टर

206 [illegible]

श्रीमान जी,

जगन्नाथ शर्मा पुत्र कन्हैयालाल शर्मा निवासी ग्राम [illegible] से [illegible] रिपोर्ट सेवा में प्रस्तुत है

Amit Kumar
22/3/06

[illegible]
([illegible])
[illegible]
[illegible]

सत्यापित/प्रेषित

22-3-06

सहायक निरीक्षक विद्युत

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

पी. एन. बी. दादरी

....

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं [illegible] खसरा नं0 118,265 रकबा 1-4-0 स्थित ग्राम [illegible] .... परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, मै0 उप्पल चड्ढा हाई टेक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं हैं ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

No Dues

27/3/6

प्रार्थी

[illegible]

निवासी [illegible]

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

पी.एन.जी. हपुरोला

....

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं 50 खसरा नं0 116,265 रकबा 1-4-0 स्थित ग्राम दुरयाई ...... परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्ध नगर । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, मै0 उप्पल चड्ढा हाई टेक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

प्रार्थी

[illegible] पुत्र [illegible]

निवासी दुरयाई

Seen

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

उ. प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक

शाखा दादरी

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं ...50......... खसरा नं0 1114, 265 रकबा 1-4-0..... स्थित ग्राम कुड़ाई .... परगना ...दादरी.... तहसील दादरी .... जिला गौतमबुद्ध नगर । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि, मै0 उप्पल चढ्ढा हाई टेक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

प्रार्थी

[illegible] पुत्र [illegible]

निवासी कुड़ाई

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020115087 ग्राम का नाम : दुरयाई 11786 परगना : दादरी तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर फसली वर्ष : 1411-1416 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	मौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।								
00050	गंगाशरन	हुक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	111क	0.1020			ग्राम
	बद्रीप्रसाद	हुक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	223क	0.0760			
	जतन स्वरुप	हुक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	224	0.0690			
	जगन्नाथ	हुक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	265	0.4050			
	रतिराम	हुक्कन	नि. ग्राम						
					कुल गाटे : 4	कुल क्षे : 0.6520	40.10		

हस्ताक्षर

20/05/06

खाव खसरा .... ग्राम दुरियाई परगना [illegible] तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर बाबत साल 140 [illegible] फ0

भूमिधर व असामी सीधी या हिस्सेदार में	खतौनी खाते की संख्या	खतौनी खाते के वर्गीकरण (भाग 1) के अनुसार खातेदार का नाम	खतौनी के (भाग 2 के वर्गीकरण के अनुसार खातेदार का नाम यदि कोई हो	सिंचाई का साधन	कृषि (फसलों वाली भूमि) का क्षेत्रफल — खरीफ — फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	रबी — फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	जायद — फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	सींचा हुआ	अन सींचा	... खसरा के स्तम्भों के अनुसार अकृषिक भूमि का ब्यौरा — भूमि की श्रेणी	क्षेत्रफल	प्रत्येक खेत के पूरे बढ़े हुये वृक्षों की संख्या और किस्म	टिप्पणी
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
0.102	40	[illegible]	—	[illegible]	[illegible]	0.102	—	[illegible]	0.102	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
—	—	[illegible]	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

[illegible]

Amit Kumar

अमित कुमार
(लेखपाल)
क्षेत्र [illegible]
तहसील-दादरी

...ब खसरा.................. ग्राम [illegible] ..परगना.....[illegible]..........तहसील..दादरी..........जिला..गौतमबुद्धनगर...बाबत साल ~~140~~ ..१४२१......फ०

...बीघों या हेक्टेयर में	खतौनी खाते की संख्या	खतौनी खाते के वर्गीकरण (भाग 1) के अनुसार खातेदार का नाम	खतौनी के (भाग 2 के वर्गीकरण के अनुसार खातेदार का नाम यदि कोई हो	सिंचाई का साधन	कृषि (फसलों वाली भूमि) का क्षेत्रफल											...नान खसरे के स्तम्भों ...अनुसार अकृषिक भूमि का ब्योरा		प्रत्येक खेत के पूरे बड़े हुये वृक्षों की संख्या और किस्म	टिप्पणी
					खरीफ			रबी			जायद								
					फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	फसल का नाम	सींचा हुआ	अन सींचा	सींचा हुआ	अन सींचा	भूमि की श्रेणी	क्षेत्रफल		
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21
·४०५	५०	गंगाशरण आदि अनु- ११९८	—	बोरिंग	उर्द	०·४०५	—	गेहूं	०·४०५	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—

सत्य प्रतिलिपि उपलब्ध प्राप्त किया

Anil Kumar
२७/८/१४
अनिल कुमार
([illegible])
[illegible]
तहसील दादरी

उद्धरण खतौनी (सामयकीय कार्य हेतु)

ग्राम क्रमांक : 71020115087 ग्राम का नाम : दरयाई परगना : दादरी तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर फसली वर्ष : 1411-1416 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।								
00050	गंगासरन	ढक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	111क	0.1020		आदेशानुसार श्रीमान तह.न्यायिक महोदय वि.न.631/ 3-8-2006को आदेश हुआ कि खा.स. 50 के ख.न. 111क/0.102है., 265/0.405है कुल 2 किता/0.507 है. का 1/5भाग 0.1014है. से जगन्नाथ पुत्र स्व. ढक्कन नि.ग्राम का नाम खारिज करके क्रेता मै. एस.ए.जी.ई प्रमोटर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.लि.पंजीकृत कार्यालय 33 कम्युनिटी सेंटर एन.एफ.सी. नई दिल्ली द्वारा रोहित शर्मा पुत्र स्व. जे.आर.शर्मा 6ए शिप्रा सन सिटी गा.बाद का नाम बतौर बैनामा दर्ज हो। ह.स.र.का. 6-10-2006	गंगासर
	बद्रीप्रसाद	ढक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	223क	0.0760			
	जतन स्वरूप	ढक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	224	0.0690			
	जगन्नाथ ✓	ढक्कन	नि. ग्राम	पू1395फ	265	0.4050			
	रतिराम	ढक्कन	नि. ग्राम						
					कुल गाटे : 4	कुल क्षे : 0.6520	40.10		

हस्ताक्षर

16/10/06